मेडिकल कालेजके शवगृहसे लाखोंका सामान चोरी

कूलिंग प्लांटसे लेकर शव वाहनकी बैटरी तक गायब, इलेक्ट्रानिक वायरिंग, डीप फ्रीजरके उपकरण, मोटर एवं कंप्रेसर भी ले गये चोर

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज के एनाटामी विभाग स्थित शवगृह (मोर्चरी) को चोरों ने निशाना बनाया। परिसर में घुसकर चोरों ने कूलिंग प्लांट की इलेक्ट्रॉनिक वायरिंग, डीप फ्रीजर के अंदर के उपकरण, तार, मोटर, पंखे, शव वाहन की बैटरी और कंप्रेसर समेत कई कीमती सामान पार कर दिए। कुछ सामान को क्षतिग्रस्त भी कर दिया गया। घटना की जानकारी होने पर एनाटॉमी विभागाध्यक्ष कृष्णा पांडेय ने जार्जटाउन थाने में तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी कैमरे खंगालकर चोरों की तलाश की जा रही है जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा। मेडिकल कालेज के एनाटामी विभागाध्यक्ष कृष्णा पाण्डेय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चोरी की घटना सात से ११ नवंबर के बीच होने की आशंका है। चोरों ने शवगृह परिसर में लगे कूलिंग प्लांट से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक वायरिंग, डीप फ्रीजर के उपकरण, तार और मोटर निकाल लिए। इसके अलावा पंखे, मोटर टूल, शव वाहन की बैटरी, कंप्रेसर, एग्जास्ट फैन और आरा मशीन के पाट्र्स समेत अन्य कीमती व पुराने सामान भी गायब हैं। चोरी के दौरान कुछ सामान को क्षतिग्रस्त भी किया गया है। विभागाध्यक्ष ने सरकारी भवन में हुई चोरी को गंभीर मामला बताते हुए पुलिस से भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने और एफआइआर की प्रति उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था, ताकि विभागीय रिकार्ड और आडिट की प्रक्रिया पूरी की जा सके। मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज के एनाटामी विभाग के शवगृह में हुई इस चोरी ने सरकारी संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिये हैं। चोरों ने सिर्फ सामान्यसामान नहीं चुराया बल्कि कुलिंग प्लांट, डीप फ्रीजर और शव वाहन से जुड़े उपकरणों को भी निशाना बनाया। अब पुलिस के सामने यह पता लगाने की चुनौती है कि सरकारी परिसर में घुसकर इतना सामान किसने और कैसे चोरी किया। जार्जटाउन पुलिस मेडिकल कॉलेज परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ चोरी गए सामान और घटना में शामिल लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

घरमें बुलाकर युवकपर राड एवं लाठीसे हमला, जख्मी

कर्नलगंज थाना क्षेत्र के सलोरी में एक युवक को घर में बुलाकर बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले तीन युवकों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर युवक पर लाठी-डंडे, रॉड और मुक्कों से हमला कर दिया। मारपीट में युवक के दांत टूट गए और जबड़े व हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। सलोरी के ओम गायत्री नगर निवासी सुनील यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके बेटे अरनव यादव को पड़ोस में रहने वाले आयुष यादव, ऋषभ यादव और अर्थव राजपूत ने घर में बुलाया था। वहां पहुंचते ही तीनों ने उस पर हमला कर दिया। आरोपितों ने लाठी-डंडे, रॉड और मुक्कों से उसकी पिटाई की। इससे वह लहूलुहान हो गया। उसके मुंह और जबड़े में गंभीर चोटें आईं और दांत भी टूट गए।

कानून एवं चिकित्सा दोनोंमें निर्णय क्षमता अहम-न्यायामूर्ति



सिगरेट का सेवन फेफड़ोंके साथ दिमागके लिए भी घातक, ब्रेन ट्यूमरका खतरा

कानून एवं चिकित्सा पद्धति में सबसे बड़ी समानता यह है कि दोनों ही क्षेत्रों में सही समय पर सटीक निर्णय लेने की क्षमता बेहद महत्वपूर्ण होती है। उक्त बातें मुख्य अतिथि न्यायामूर्ति अरिंदम सिन्हा ने शनिवार को एएमए सभागार में आयोजित यूपी-यूके न्यूरोकान-२०२६ सम्मेलन के दौरान व्यक्त किए। वहीं इंग्लैण्ड के रहने वाले न्यूरोर्जन डा. किशोर चौधरी ने कहा कि सिगरेट केवल फेफड़ों को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि यह सीधे तौर पर मानव मस्तिष्क को भी गंभीर नुकसान पहुंचाता है। क्योंकि सिगरेट में मौजूद हानिकारक रसायन मस्तिष्क की तंत्रिकाओं को सुरक्षित रखने वाली झिल्ली को कमजोर कर देता है। दिमाग की कमजोर कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से जब बढ़ने लगती हैं तब गांठ का रूप ले लेती हैं। उन्होंने कहा कि ब्रेन ट्यूमर के आपरेशन में अब क्वालिंग तकनीक अधिक कारगर हो रही है, जिसमें जांघ के पास स्टैण्ड को डालकर मस्तिष्क से जोड़ दिया जाता है। इससे आपरेशन करने के लिए ब्रेन को खोलने की जरूरत नहीं पड़ती। एजीपीजीआई में न्यूरो विभाग के प्रमुख सोसाइटी अध्यक्ष डा. अवधेस जायसवाल ने कहा कि ब्रेन ट्यूमर को निकालने के लिए अधिक खोपड़ी में चीरा न लगाकर दूरबीन विधि से नाक के जरिए ट्यूमर को निकाला जा सकता है।बैंगलोर के न्यूरो सर्जन डा. पारितोष पांडेय ने मस्तिष्क के एन्यूरिज्म और एवीएम सर्जरी पर विचार साझा करते हुए बताया कि रक्त प्रवाह बाधित होने के कुछ मिनटों के भीतर ही मस्तिष्क की कोशिकाएं मृत होना शुरू हो जाती हैं। विशिष्ट अतिथि डा.प्रोफेसर मजहर हुसैन ने कहा कि आधुनिक मशीनों से जांच करने पर उपचार में आसानी हो रही है। मेडिकल कालेज के प्राचार्य एके वर्मा ने कहा कि मानव मस्तिष्क प्रकृति की अद्भुत संरचना है। आयोजन समिति के अध्यक्ष डा. मुकुल पांडेय, सचिव डा. पंकज गुप्ता, वरिष्ठ सर्जन डा. एनएन गोपाल,मुंबई से आए डा.बीके मिश्रा ने अपने अनुभव साझा किये। सम्मेलन में विशेषज्ञों ने स्ट्रोक, ब्रेन ट्यूमर, एन्यूरिज्म, एवीएम और रीढ़ की जटिल बीमारियों के इलाज में रोबोटिक्स, एंडोस्कोपी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों पर चर्चा की। इस मौके पर डा.रवि उनीयाल, डा.निखिल, डा.नवनीत, डा.अरविंद, डा.कार्तिकेय, डा. विवेक, डा. सतनाम छाबड़ा, डा. डीके वत्सल, डा.वेद प्रकाश, डा.नकुल, डा. संतोष सिंह सहित बड़ी संख्या में डाक्टर मौजूद रहे।

नसें एवं आंखें खोखली कर रहा मधुमेह, युवा भी चपेटमें



ओपीडी आने वाले कुल मरीजों में ३५ फीसदी मधुमेहके लक्षण एसआरएन में हो रही हर माह २४ हजार जांचें

अनियमित जीवन शैली, असंतुलित खान-पान और इलाज में लापरवाही के कारण मधुमेह के गंभीर मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। चिंताजनक बात यह है कि पिछले चार-पांच वर्षों में १५ से २४ वर्ष के युवा भी बड़ी संख्या में इसकी चपेट में आ रहे हैं।चिकित्सकों के अनुसार अनियंत्रित शुगर एक साथ शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगो जैसे आंखें, किडनी, दिल, लिवर एवं नसों को नुकसान पहुंचा रही है, जो समय पर उपचार न मिलने पर नेत्रहीनता एवं शारीरिक दिव्यांगता का कारण बन सकती है।

शनिवार को विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर काल्विन, बेली एवं एसआरएन अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान चिकित्सकों ने मरीजों को नियमित जांच, संतुलित आहार, व्यायाम एवं डाक्टर की सलाह से दवा लेने के प्रति जागरूक किया।

काल्विन अस्पताल के जनरल फिजिशियन डा.जुबेर अहमद ने बताया कि ओपीडी में आने वाले कुल मरीजों में से लगभग ३० से ३५ फीसदी मरीजों में मधुमेह के लक्षण पाए जा रहे हैं।फिजीशियन डा. अभिषेक पाण्डेय ने बताया कि मधुमेह का सबसे गंभीर असर पैरों पर दिखता है। नसों को नुकसान पहुंचने से पैरों की संवेदना कम हो जाती है, जिससे मरीज को चोट एवं घाव का पता ही नही चलता। अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा.अवधेश चौबे ने कहा कि अनियंत्रित शुगर रक्त वाहिकाओं को क्षतिग्रस्त करती है। समय पर जांच और इलाज से ही मधुमेह की जटिलताओं से बचा जा सकता है।इस दौरान चिकित्सालय के अधीक्षक डा. महानंद, डा. नाहिदा, डा. दया नंद, डा. सीपी श्रीवास्तव, डा. ऋतुराज, डा. ओम सिंह, डा. आकांक्षा पाल, राजकुमार शुक्ला सहित नर्सिंग स्टाफ अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज के पैथोलाजी विभाग की अध्यक्ष डा. अंशुल ने बताया कि अस्पताल में प्रतिदिन लगभग ८०० मरीजों की शुगर जांच की जाती है। इस तरह एसआरएन में हर माह करीब २४ हजार ग्लूकोज जांचें हो रही है, जिससे खून में शुगर की मात्रा का पता लगाकर समय रहते इलाज शुरू किया जा रहा है।

बेदखली आदेश वापसी अर्जीपर तीन सप्ताहमें निर्णय लेनेका निर्देश

(विधि संवाददाता)

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आजमगढ़ की फूलपुर तहसील के तहसीलदार को निर्देश दिया है कि वह याचिकाकर्ता श्रीमती सुनीता के आदेश वापसी प्रार्थनापत्र को तीन हफ्ते में निस्तारित करे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रविंद्र नाथ यादव, अभिषेक यादव ने दलील दी कि तहसीलदार ने १३ फरवरी २०२४ को एकपक्षीय रूप से बेदखली और हर्जाने का आदेश पारित किया था। इस आदेश के विरुद्ध ४ अप्रैल २०२४ को आदेश वापसी प्रार्थनापत्र दाखिल किया गया, जो अब तक लंबित है। उन्होंने कहा कि अधिकारी आदेश को लागू कराने की कार्रवाई कर रहे हैं, इसलिए प्रार्थनापत्र के निस्तारण तक विवादित भूखंड पर याची के कब्जे में हस्तक्षेप न किया जाए।

याचिका दाखिल करने में ८७० दिनों की देरी हुई थी, जिसे कार्यालय ने रिपोर्ट किया। कोर्ट ने नोट किया कि देरी का स्पष्टीकरण याचिका में दिया गया है।

कोर्ट ने तहसीलदार को निर्देश दिया कि यदि प्रार्थनापत्र अब तक तय नहीं हुआ है, तो उसे विधि अनुसार, पक्षकारों को सुनवाई का अवसर देकर, यथासंभव तीन सप्ताह के भीतर निस्तारित करे।

न्यायमूर्ति सत्य वीर सिंह की पीठ में सुनवाई हुई। राज्य की ओर से अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता जितेंद्र नारायण राय ने ७ अक्टूबर के आदेश के अनुपालन में निर्देश प्राप्त करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा, जो कोर्ट ने दे दिया। अब मामला २६ नवंबर २०२६ को उपयुक्त पीठ के समक्ष नए मामले के रूप में सूचीबद्ध होगा।

ससुरालियोंके उकसानेपर युवक ने निगला था जहरीला पदार्थ

चारके खिलाफ एफआईआर दर्ज, जांचमें जुटी करेली पुलिस

करेली थाना क्षेत्र में मकान पर कब्जे के विवाद में युवक को जहर खाने के लिए उकसाने का आरोप लगा है। युवक की मां जुबैदा खातून ने बहू, उसके पिता और दो सालों के खिलाफ करेली थाना में एफआईआर दर्ज करायी है। मुकदमा न्यायालय के आदेश पर दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खुल्दाबाद के गुलाबबाड़ी निवासी जुबैदा ने एफआईआर दर्ज करायी है कि उनके बेटे सईद उज्जफर का निकाह वाराणसी निवासी फरहीन कौशर से हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही बहू और उसके मायके वाले बेटे को प्रताड़ित कर रहे थे।

करेली के ब्लाक सी स्थित मकान में बेटा पत्नी और बच्चों के साथ वर्ष २०२३ से रह रहा था। आरोप है कि बहू फरहीन, उसके पिता सरफराज अहमद और भाइयों फैजान व फरहान की नजर मकान पर थी। वह मकान छोड़ने और कब्जा देने का दबाव बना रहे थे। आरोप है कि २५ अप्रैल २०२६ को मकान को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि इस दौरान बेटे को गाली देने के साथ जहर खाने के लिए उकसाया गया। इसके बाद उसने जहर खा लिया। उसे काला कांदा कब्रिस्तान के पास से अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने पर बिसरा सुरक्षित किया गया। महिला का आरोप है कि खुल्दाबाद और करेली थाने के साथ पुलिस आयुक्त से शिकायत के बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने न्यायालय में गुहार लगायी। करेली पुलिस का कहना है कि न्यायालय के आदेश पर एफआईआर की गयी है। मामले की जांच की जा रही है।

मंदिरके पास बाइकमें लगी आग, अफरातफरी

संगम क्षेत्र स्थित बड़े हनुमान मंदिर के मुख्य गेट के पास खड़ी एक बाइक में शनिवार दोपहर अचानक आग लग गई। इससे वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई।आसपास के दुकानदारों ने कुछ लोगों के साथ आग बुझाने की कोशिश शुरू की और पलभर में काबू पा लिया। बाइक किसकी है, इसका पता नहीं चल सका। बड़े हनुमान मंदिर के मुख्य गेट के पास शनिवार दोपहर एक बाइक खड़ी थी। अचानक उसमें से आग की लपटें उठीं तो वहां मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे। आसपास के दुकानदार पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गए। इसी बीच एक दुकानदार कंबल लेकर पहुंचा और जलती बाइक पर डाल दिया। अन्य लोगों ने पानी डालना जारी रखा और फिर आग पर काबू पा लिया गया। लोगों का कहना था कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, अन्यथा अगर बाइक कुछ देर और आग की चपेट में रहती तो पेट्रोल टंकी फट सकती थी।

अभिलेख सत्यापनके लिए अभ्यर्थियों को लाना होगा मूल प्रमाणपत्र

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की एलटी ग्रेड सहायक अध्यापक परीक्षा-२०२५ के गणित विषय में सफल अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन १७ नवम्बर से आयोग के सरस्वती भवन में होगा। परीक्षा पुरुष और महिला शाखा के लिए थी।

आयोग ने सफल अभ्यर्थियों से अपेक्षा की है कि वे तय तारीख और समय पर आयोग कार्यालय पहुंचें। साथ में सभी शैक्षणिक दस्तावेज, आरक्षण और अन्य दावों से जुड़े मूल प्रमाण-पत्र और उनकी छाया-प्रतियां लानी होंगी।

इस भर्ती में पुरुष और महिला वर्ग के ७१० अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। उनकी नियुक्ति प्रदेश के राजकीय इण्टर कालेजों में की जाएगी। योग्य अभ्यर्थी नहीं मिलने के कारण कुछ श्रेणियों के ३८३ पद खाली रह गये हैं। इन्हें भरने के लिए आयोग बाद में नया विज्ञापन जारी करेगा। पुरुष वर्ग में चयन क्रमांक ००१ से १०० तक के अभ्यर्थियों के दस्तावेज की जांच १७ नवम्बर को सुबह ९.३० से दोपहर एक बजे तक की जायेगी।

चयन क्रमांक १०१ से २०० तक के अभ्यर्थियों का सत्यापन उसी दिन दोपहर १.३० से शाम पांच बजे तक होगा। १८ नवम्बर को सुबह के सत्र में चयन क्रमांक २०१ से ३०० तक और दोपहर के सत्र में ३०१ से ४०० तक के पुरुष अभ्यर्थियों के दस्तावेज की जांच होगी। १९ नवम्बर को सुबह के सत्र में पुरुष वर्ग के चयन क्रमांक ४०१ से ४७३ तक के अभ्यर्थियों का सत्यापन होगा।

महिला शाखा में चयन क्रमांक ००१ से १०० तक की अभ्यर्थियों के दस्तावेज १९ नवम्बर को दोपहर के सत्र में जांचे जाएंगे। २० नवंबर को सुबह के सत्र में चयन क्रमांक १०१ से २०० तक और दोपहर के सत्र में २०१ से २३७ तक की अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का मिलान होगा।

वार्षिक अवार्डकी घोषणाके लिए बैठक आज

वार्षिक अवार्ड की घोषणा के लिए साहित्यिक संस्था गुफ्तगू की कार्यकारिणी की बैठक अशोक श्रीवास्तव 'कुमुद' के शिवाजी मार्ग, राजरूपपुर स्थित निवास पर पूर्वान्ह ११ बजे से होगी। बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जायेगी।

इविवि : पीएचडी में प्रवेशके लिये तीन विभागोंने जारी किया कटआफ

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ के लिए पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया तेज हो गई है। विश्वविद्यालय के संगीत एवं प्रदर्शन कला, रसायन विज्ञान और भूगोल विभाग ने चयनित अभ्यर्थियों की सूची, कटऑफ और साक्षात्कार से संबंधित सूचनाएं जारी कर दी हैं। अभ्यर्थियों को निर्धारित समयसीमा में जरूरी दस्तावेज जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। संगीत एवं प्रदर्शन कला विभाग ने पीएचडी प्रवेश के लिए श्रेणीवार कटऑफ जारी की है। विभागाध्यक्ष प्रो. पीके मल्लिक की ओर से जारी सूचना के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर तक के शैक्षणिक प्रमाणपत्र, नेट, जेआरएफ अथवा पीएचडी छूट से संबंधित प्रमाणपत्र, श्रेणी प्रमाणपत्र और शोध प्रस्ताव की दो प्रतियां जमा करनी होंगी। अंशकालिक अभ्यर्थियों को अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) भी देना होगा। दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि २३ नवंबर निर्धारित की गई है।

वहीं, रसायन विज्ञान विभाग ने शोध अभिरुचि परीक्षा (आरएटी) के बाद साक्षात्कार के लिए अनंतिम सूची जारी की है। इसमें जेआरएफ श्रेणी के सात, नेट एवं पीएचडी प्रवेश श्रेणी के १२ और छूट प्राप्त अंशकालिक श्रेणी के दो अभ्यर्थी शामिल हैं। विभाग में २६ नवंबर को सुबह १०:३० बजे से प्रस्तुतीकरण और साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा।

उधर, भूगोल विभाग ने पीएचडी प्रवेश के लिए श्रेणीवार कटऑफ निर्धारित की है। सामान्य वर्ग के लिए २३२, ओबीसी के लिए २२२, एससी के लिए २०४, एसटी के लिए २००, ईडब्ल्यूएस के लिए २२८ और दिव्यांग श्रेणी के लिए १६४ अंक तय किए गए हैं। योग्य अभ्यर्थियों को ३० नवंबर तक ऑनलाइन माध्यम से दस्तावेज जमा करने होंगे।

ट्रकके केबिनमें लगी आग, अफरातफरी

शनिवार सुबह करीब छह बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर भिदिऊरा गांव के सामने शॉर्ट सर्किट से एक ट्रक के केबिन में आग लग गई। ट्रक में आग की लपटें उठती देख स्थानीय लोगों ने डायल ११२, फायर ब्रिगेड और थरवई पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

ट्रक कानपुर से केमिकल पाउडर लादकर वाराणसी की ओर जा रहा था। ट्रक के आगे का केबिन पूरी तरह से जल गया है ट्रक में लदा पाउडर आदि पूरी तरह सुरक्षित है आग लगने के बाद चालक मौके से भाग निकला।

मजबूत भारतके शिल्पकार थे पण्डित नेहरू- कांग्रेस सांसद

जयन्तीपर कांग्रेसियोंने देशके प्रथम प्रधानमंत्रीको किया याद

आधुनिक भारत के निर्माता एवं देश के प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न पण्डित जवाहरलाल नेहरू को १३७ वीं जयंती पर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने आनन्द भवन में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके भावभींनी श्रद्धांजलि अर्पित की और देश निर्माण में उनके योगदान का स्मरण किया ।

इस मौके पर श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस के इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र के सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि पण्डित नेहरू धर्मनिरपेक्षता एवं शांति के प्रतीक होने के साथ मजबूत भारत के शिल्पकार थे। वे समावेशी समाज के पैरोकार थे। कहा कि नेहरू दुनिया के उन चोटी के नेताओं में शुमार थे जो बहुलतावादी और लोकतांत्रिक राष्ट्र की अवधारणा को जीते थे । औद्योगिकीकरण के साथ तमाम राष्ट्रीय संस्थान नेहरू की देन थी। कहा कि आज जीडीपी जिस सेवा क्षेत्र के बूते लगातार बढ़ रही है उसका आकार देने का काम नेहरू ने किया।

को-आर्डिनेटर हरिकेश त्रिपाठी, धीरज श्रीवास्तव, अशफाक अहमद, संजय तिवारी, विजय मिश्रा, रजनीश रिशु, अनिल पांडेय, अनूप त्रिपाठी, देवी पाण्डेय, विनय पाण्डेय, जितेंद्र राय, प्रदीप द्विवेदी, मंजू मौर्य आदि मौजूद रहे। बाद में कांग्रेसजनों ने बालसन चौराहा स्थित पण्डित नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बताये मार्गों पर चलने का संकल्प लिया। इसी क्रम में प्रयागराज कांग्रेस के विधि विभाग की ओर से पण्डित जवाहर लाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के रूप में आनन्द भवन में उनके चित्र पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करके मनायी गयी। कार्यक्रम के उपरांत संगोष्ठी में महानगर कांग्रेस कमेटी के आशीष चित्रांशी, मृत्युंजय द्विवेदी, वी.डी.शुक्ला, आशीष चौधरी, सुनील यादव, अंकित यादव, आदित्य धर दूबे आदि मौजूद रहे। कांग्रेस सेवा दल के द्वारा नैनी और करछना के कई स्कूल के छात्रों को आनन्द भवन का भ्रमण कराया। कांग्रेस नेता जितेंद्र तिवारी ने बताया कि छात्रों में काफी उत्साह था और छोटे बच्चों ने पण्डित नेहरू के बारे में जाना। इसके बाद बच्चों ने भारद्वाज आश्रम और चंद्रशेखर आजाद पार्क जाकर आजाद की आदमकद की मूर्ति के सामने नमन किया। कार्यक्रम में सेवा दल के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



एआई से रोचक बनेंगी विश्वविद्यालयोंकी कक्षाएं-प्रो. के निवास

विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा एवं मातृभाषामें पढ़ाईपर दिया जोर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और चैटजीपीटी के दौर में विश्वविद्यालयों की पारंपरिक शिक्षण व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। अब केवल कक्षा में व्याख्यान देकर विद्यार्थियों को पढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। शिक्षकों को ऑनलाइन क्विज, वर्चुअल लैब, डिजिटल माध्यम और समूह गतिविधियों के जरिए पढ़ाई को अधिक रोचक और प्रभावी बनाना होगा। इससे विद्यार्थियों की समझ और रचनात्मक क्षमता भी विकसित होगी।

यह बातें राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए), नई दिल्ली के प्रो. के. श्रीनिवास ने शनिवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में कहीं। रसायन विज्ञान विभाग और यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि शिक्षा में बदलाव के लिए सिर्फ नई तकनीक अपनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षकों को अपनी सोच और पढ़ाने के तरीके में भी बदलाव करना होगा। शिक्षण व्यवस्था का केंद्र शिक्षक के बजाय विद्यार्थी होना चाहिए।

प्रो. श्रीनिवास ने कहा कि विद्यार्थियों को मातृभाषा में पढ़ाई का अवसर देने के साथ दूसरी भाषाओं और एआई की तकनीकी समझ भी विकसित करनी चाहिए। चैटजीपीटी के माध्यम से कठिन विषयों को सरल भाषा में समझने और अध्ययन सामग्री तैयार करने में मदद मिल सकती है। हालांकि एआई शिक्षक का विकल्प नहीं हो सकता। इससे मिलने वाली जानकारी की प्रमाणिकता की जांच करना भी जरूरी है।

दूसरे व्याख्यान में सीएसआईआर-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राकेश कुमार ने प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता नियंत्रण का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि खून की जांच, पेयजल की गुणवत्ता और खाद्य पदार्थों में मिलावट की सही पहचान के लिए प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता नियंत्रण जरूरी है। इसके लिए उपकरणों का सही अंशांकन भी होना चाहिए। देखने में साफ पानी में भी हानिकारक तत्व मौजूद हो सकते हैं। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. विष्णु पी. श्रीवास्तव ने आभार जताया।

टीजीटी भर्ती २०२१ खाली पदोंपर समायोजनको लेकर दाखिल हुई अवमानना याचिका

(विधि संवाददाता)

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पार्थ सारथी सेन शर्मा से टी जी टी की भर्ती २०२१मे खाली पदों पर याचियों को समायोजित करने के आदेश का पालन न करने के मामले में जानकारी मांगी है।शरद यादव व ८अन्य की अवमानना याचिका पर न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल ने याची अधिवक्ता से कहा की अवमानना याचिका की प्रति विपक्षी अधिवक्ता को दे ताकि अनुपालन के बारे में वह जानकारी ले सके।याची अधिवक्ता सौरभ त्रिपाठी ने बहस की।कहा की खंडपीठ ने प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) भर्ती विज्ञापन संख्या-१/२०२१ के मामले में सफल याचियों को नियुक्ति का परिणामी लाभ देने का आदेश दिया था। जिसका पालन नहीं किया गया। आयोग ने बताया था सामाजिक विज्ञान, कला और गृह विज्ञान में कुल ५४ पद रिक्त हैं। अदालत ने पहले इन पदों, फिर बाद में सृजित रिक्तियों और अंत में आवश्यकतानुसार अधिसंख्य पदों पर समायोजन का निर्देश दिया। कहा था कि दो माह में नियुक्ति पत्र जारी होंगे। किंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई।जिसपर यह अवमानना याचिका दायर की गई है।

४०वीं इंदिरा मैराथनके स्वर्ण पदक विजेता सैन्यकर्मी प्रदीपने लिया प्रवेश

पंजीकरणके चौथे दिन २५ धावकोंने दर्ज कराया अपना नाम

खेल निदेशालय एवं जिला प्रशासन की ओर से १९ नवंबर को ४१वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन (४२.१९५ किमी) एवं हाफ मैराथन (२१.०९७ किमी) का आयोजन पुरुष एवं महिला वर्ग में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए धावकों का आनलाइन एवं आफलाइन पंजीकरण के चौथे दिन ४०वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन के स्वर्ण पदक विजेता(प्रथम स्थान-२०२५) सेना के जवान प्रदीप सिंह चौधरी ने आफलाइन पंजीकरण कराया। बता दें कि प्रदीप सेना के धावक हैं और उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल के रहने वाले है। इसी प्रतियोगिता में प्रतापगढ़ के ज्ञानबाबू को दूसरा और प्रयागराज के रोहित सरोज को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ था। प्रदीप के अलावा शनिवार को २४ धावकों ने फुल एवं हाफ मैराथन में प्रवेश लिया। बता दें कि बुधवार को कुल पांच इंट्री होने के बाद गुरुवार को कुल सात आफलाइन इंट्री हुई है। हालांकि फार्म दर्जनों धावकों ने लिया पर सात ने करायी है। गुरुवार को फुल मैराथन पुरुष वर्ग में स्थानीय स्तर पर तीन धावकों ने इंट्री ली है। जबकि बाहरी खाता नहीं खुला। इसी तरह हाफ पुरुष वर्ग में स्थानीय स्तर पर तीन धावकों ने इंट्री ली जबकि बाहरी का खाता नहीं खुला। इसी तरह फुल महिला वर्ग में स्थानीय स्तर पर खाता नहीं खुला जबकि बाहरी एक महिला धावक ने इंट्री ली है। इसी क्रम में शुक्रवार को आफलाइन फुल मैराथन में पुरष वर्ग में चार स्थानीय स्तर के धावकों ने हिस्सा लिया पर बाहरी इंट्री नहीं हुई। जबकि महिला वर्ग में स्थानीय स्तर पर एक धावक ने इंट्री ली, बाहरी इंट्री नहीं हुई। इसी तरह आफलाइन हाफ मैराथन में पुरष वर्ग में स्थानीय स्तर पर सात और एक बाहरी धावक ने इंट्री ली है। जबकि महिला वर्ग में स्थानीय स्तर पर एक धावक की इंट्री हुई पर बाहरी इंट्री नहीं हो सकी। शनिवार को फुल मैराथन पुरुष वर्ग में स्थानीय स्तर पर चार और बाहरी भी एक(प्रदीप) धावक ने प्रवेश लिया। महिला वर्ग में किसी ने प्रवेश नहीं लिया। इसी तरह हाफ मैराथन में स्थानीय स्तर पर १५ और बाहरी तीन धावकों ने प्रवेश लिया। महिला वर्ग में भी स्थानीय स्तर पर एक और बाहरी एक धावक ने प्रवेश लिया है। आनलाइन आवेदन का आंकड़ा उपलब्ध नहीं हो सका पर बताया जा रहा है कि आनलाइन भी सौ से ज्यादा धावक आवेदन कर चुके हैं।

इंदिरा मैराथन : १९ को होगा देशभरके धावकोंका जमावड़ा

आनंद भवनसे शुरू होगी ४१वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन प्रतियोगिता अवधिमें मैराथन रूटमार्गपर यातायात रहेगा डायवर्ट

आगामी १९ नवंबर को प्रयागराज में देशभर के धावकों का जमावड़ा देखने को मिलेगा। कारण है कि १९ नवंबर यानी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती पर ४१ वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन होगी। जिसे लेकर खेल निदेशालय एवं प्रशासन की संयुक्त रूप से तैयारियों जोरों पर की जा रही है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में इस बार पुरुष और महिला वर्ग में फुल मैराथन के साथ हाफ मैराथन भी आयोजित होगी।

मदन मोहन मालवीय स्टेडियम के मैदान में शनिवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने इंदिरा मैराथन को लेकर पत्रकारवार्ता की। उन्होंने बताया कि फुल मैराथन की शुरुआत आनंद भवन से होगी और समापन मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में होगा। फुल मैराथन की दूरी ४२.१९५ किलोमीटर एवं हाफ मैराथन की दूरी २१.०९७ किलोमीटर होगी। प्रतियोगिता में पुरस्कार राशि भी धावकों के आकर्षण का बड़ा केंद्र रहेगी। फुल मैराथन के पुरुष और महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को दो-



दो लाख रुपये दिए जाएंगे। दूसरे स्थान पर रहने वाले को एक लाख और तीसरे स्थान पर आने वाले को ७५-७५ हजार रुपये मिलेंगे। दोनों वर्गों में ११-११ सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक पुरस्कार १० हजार रुपये का होगा। हाफ मैराथन में पुरुष और महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार ५१ हजार, द्वितीय २१ हजार और तृतीय ११ हजार रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अलावा तीन सांत्वना पुरस्कार के रूप में ५१००-५१०० रुपये दिए जाएंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिता अवधि तक रूट मार्गों पर यातायात डायवर्ट रहेगा। इस बार मैराथन में आधुनिक तकनीक की भी अहम भूमिका होगी। जिलाधिकारी के अनुसार प्रत्येक धावक को आरएफआईडी ट्रैकिंग चिप युक्त बिब नंबर दिया जाएगा। इससे दौड़ के दौरान उसकी प्रगति पर नजर रखी जा सकेगी। टाइमिंग सिस्टम के जरिए सम